छ.ग : पारम्परिक वैद्यों को प्रमाणित कर रहा हैं भारत सरकार की ईकाई “क्वालिटी काउंसिल ऑफ इंडिया, नई दिल्ली” (QCI)

By संपादक - HALLA BOAL NEWS - 22/04/2019

रायपुर : भारत देश में स्वास्थ्य के क्षेत्र में आधुनिक इलाज पद्धति के अलावा पारम्परिक आयुर्वेद चिकित्सा पद्धति बहुत ही समृद्ध और इसका लंबा इतिहास भी रहा हैं, परन्तु समय के अन्तराल और आज के आधुनिकता की दौड़ में हमारे भारत देश का समृद्ध आयुर्वेद चिकित्सा ज्ञान और चिकित्सक दोनों कहीं वक्त के अन्तराल में खो से गये हैं। भारत के प्राचीन और पारम्परिक आयुर्वेद ज्ञान के महत्व को समझते हुए, पारम्परिक आयुर्वेद के ज्ञान और वैद्य, दोनो के पुनर्द्धार के लिए भारत सरकार की ईकाई “क्वालिटी काउंसिल ऑफ इंडिया, नई दिल्ली” (QCI) और “द फाउंडेशन फॉर द रिवाईटेलाइजेशन ऑफ लोकल हेल्थ ट्रेडीसंस, बैंगलोर के राष्ट्रीय स्तर पर संयुक्त प्रयास का आधार, मार्च 2017 में रखा गया था।

Certification of Folk Healers of Chhattisgarh in March 2019

The second batch of certification for the Traditional Community Healthcare Providers (commonly known as Folk Healers) and the first for Chhattisgarh has been completed under the Voluntary Certification Scheme for the Traditional Community Healthcare Providers for the healers of Chhattisgarh state. The Voluntary Certification Scheme for the Traditional Community Healthcare Providers is owned jointly by the Quality Council of India (QCI), New Delhi and the Foundation for the Revitalisation of Local Health Traditions, Bangalore and had its national launch in March 2017.

The 3-day evaluation for the assessment of the knowledge and skills of the Folk Healers was conducted by the QCI approved Third Party Personnel Certification Body – Etica Clinpharm Pvt Ltd, Raipur, Chhattisgarh as per the competence criteria laid down under the Scheme from 30th March to 1st April, 2019. An Evaluation team lead by Dr. Deepesh Megwani (BAMS) along with six senior TCHP and 4 PrCB trained professionals (PhD, MSW and MBA) with support staff conducted the evaluation.

The evaluation team travelled along with the Certification Head (Mr Yogendra Choudhary) of Etica Clinpharm Pvt Ltd, Raipur. On Day-1 oral evaluation and demonstration by the healers was conducted at Raipur and on Day 2 & 3, inspection of the healers' practice station for hygiene, medicinal plant garden, record keeping, dispensing of medicines and interacting with their patients was done in 4 districts of Chhattisgarh - Raipur, Ballood, Bemetrra and Korea. The entire certification process was observed by the expert from the Quality Council of India, New Delhi.

It is noteworthy that 14 Folk Healers raised the certification fee from their own resources and applied for the assessment of their knowledge and skill to get certified under the ISO 17024 based Personnel Certification. 7 Folk Healers were declared successful and certified.

This was the second batch certification under the Scheme in India. It is expected that more certifications would follow shortly not only in Chhattisgarh, Tripura but Meghalaya, Madhya Pradesh, Gujarat, Uttar Pradesh.

इसी कड़ी में इन पारम्परिक वैद्यो के ज्ञान और कौशल के आकलन और स्वेच्छीक प्रमाणीकरण के लिए छत्तीसगढ़ रायपुर की "इटिका क्लीन फार्म प्राइवेट लिमिटेड" को अनुमोदित किया। इसी आधार पर छत्तीसगढ़ के पारम्परिक वैद्यो के ज्ञान और कौशल के आकलन और स्वेच्छीक प्रमाणीकरण के लिए पहली बार तीन दिवसीय कार्यशाला राजधानी रायपुर में बिते 30 मार्च 2019 से 01 अप्रैल 2019 तक आयोजन किया गया

था। इस पहले बैच में 14 पारम्परिक वैद्य स्वेच्छीक प्रमाणीकरण के लिए शामिल हुए थे, जिनके ज्ञान और कौशल के आकलन के बाद प्रमाणीकरण हेतु "इटिका क्लीन फार्म प्राइवेट लिमिटेड, रायपुर, छत्तीसगढ़" के 'योगेंद्र चौधरी और डॉ. दिपेश मेगवानी (बी.ए.एम.एस) की टीम कि मौजूदगी में इन सभी वैद्यो ने जो की प्रदेश के चार जिले - रायपुर, बालोद,बेमेतरा और कोरिया से थे , इन्होंने अपने-अपने ज्ञान और कौशल के साथ-साथ औषधि निर्माण प्रक्रिया, औषधीय पौधों के संकलन और चिकित्सा के संपूर्ण पद्धति में साफ-सफाई का निरीक्षण करवाया । इन सभी 14 वैद्यो को आकलन के बाद 7 वैद्यो के ज्ञान और कौशल के अलावा बाकी चिकित्सीय पद्धति से निरीक्षण टीम पुरी तरह से संतुष्ट होकर प्रमाणित किए।

हालांकि छत्तीसगढ़ में इस तरह के कार्यशाला का आयोजन पहलीबार हुआ था,

पारंपरिक सामुदायिक स्वास्थ्य देखभाल प्रदाताओं
(TCHPs)

के लिये

स्वैच्छिक प्रमाणन योजना (वीसीएसटीसीएचपी)

यह प्रमाणित किया जाता है की

श्री हरीश चावड़ा

निवासी

वार्ड १३ जनपद पंचायत के पीछे , पो. गगुंडरदेही, ग्राम: गुंडरदेही, जिला: बालोद, छत्तीसगढ़—४९१२२३
का मूल्यांकन किया गया है और हिंदी में प्रमाणित किया जाता है की पारंपरिक सामुदायिक स्वास्थ्य
सेवा प्रदाताओं के लिए स्वैच्छिक प्रमाणन योजना के तहत निर्धारित मानदंडों के अनुसार, वे

सामान्य बीमारी एवं पीलिया

के लिए एक "प्रमाणित पारंपरिक सामुदायिक स्वास्थ्य सेवा प्रदाता (Certified TCHP)" हैं |

[प्रमाणपत्र की वैधता पूरी तरह से प्रमाणित पारंपरिक सामुदायिक स्वास्थ्य सेवा प्रदाता (Certified TCHP)" द्वारा स्वैच्छिक प्रमाणन योजना (VCSTCHP) की निर्धारित योग्यता मानक और नियमों के निरंतर अनुपालन पर निर्भर करती है।]

प्रमाण पत्र संख्या (VCSTCHP UID) : EC0001220161
जारी करने की तारिख (Issue Date) : 11/04/2019
वैधता समाप्ति (Valid Upto) : 10/04/2024

योगेन्द्र चौधरी

प्रबंध संचालक, (पीआरसीबी) (QCI/TCHP/PrCB-001)
ईटिका क्लीनफार्म प्राइवेट लिमिटेड (ECPL)
अधिकृत हस्ताक्षरकर्ता

(हस्ताक्षर एवं अधिकृत मुहर)

परंतु राष्ट्रीय स्तर पर दुसरी बार इस तरह के कार्यशाला का आयोजन था, वहीं निरीक्षण टीम द्वारा इस तरह के स्वेच्छीक प्रमाणीकरण कार्यशाला के सतत होते रहने की उम्मीद कर रहे है।